Name:.....

स्वरों की मात्राएँ

स्वर	मात्रा	व्यंजन के साथ स्वर की मात्राओं का मेल	उदाहरण
अ	(कोई मात्रा नहीं)	क् + अ = क	कलम, कमल
आ	(ा)	क् + आ = का	काम, काका
इ	(ि)	क् + इ = कि	किताब, किधर
ई	(ी)	क् + ई = की	कील, कीमत
उ	(ु)	क् + उ = कु	कुल, कुत्ता
ऊ	(ू)	क् + ऊ = कू	कूल, कूकना
ऋ	(ृ)	क् + ऋ = कृ	कृत, कृपा
ए	(े)	क् + ए = के	केला, केरल
ऐ	(ै)	क् + ऐ = कै	कैसा, कैलाश
ओ	(ो)	क् + ओ = को	कोट, कोमल
औ	(ौ)	क् + औ = कौ	कौन, कौआ
अं	(ं)	क् + अं = कं	कंठ, कंकड़
अः	(ः)	त् + अः = तः	अतः, स्वतः
ऑ	(ॅ)	क् + ऑ = कॉ	कॉलम, कॉपी

संयुक्त व्यंजन

दो व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। जैसे:- क्ष, त्र, ज्ञ, श्र ये चार संयुक्त व्यंजन हैं।

क् + ष = क्ष – रक्षा, शिक्षक

त् + र = त्र – पत्र, मित्र

ज् + ञ = ज्ञ – यज्ञ, ज्ञान

श् + र = श्र – परिश्रम, आश्रम

© www.WorksheetSeva.com